प्रारुप–2.28

परियोजना का नाम :–जिला योजना के अन्तर्गत जनपद टिहरी गढवाल के विकास खण्ड भिलंगना मे झाला – कोटी मोटर मार्ग का नव निर्माण का कार्य लम्बाई **(0.40 +1.10 km)**

भू–वैज्ञानिक की आख्या

(प्रस्तावित स्थल की भू–वैज्ञानिक द्वारा निर्गत अद्यतन निरीक्षण आख्या प्राप्त कर संलग्न की जाय।)

संलग्न है

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड लोक निर्माण विभाग
घनसाली, टि0 ग0

अधिशासी अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग
प्रयोक्ता एजेन्सी
घनसाली (टि0ग0)

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर–1
लोक निर्माण विभाग देहरादून

भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या एस0जी0 01/सड़क संरेखण/गढ़वाल/2009

कार्य का नाम :– झाला–कोटी मोटर मार्ग, जनपद टिहरी गढ़वाल के प्रस्तावित संरेखण(लम्बाई 1.50 कि0मी0)की भू–गर्भीय आख्या।

जनपद – टिहरी गढ़वाल

03 अक्टूबर 2009

झाला–कोटी मोटर मार्ग, जनपद–टिहरी गढ़वाल के प्रस्तावित संरेखण की भूगर्भीय आख्या।

1\. प्रस्तावना:– जनपद टिहरी गढ़वाल में जिला–योजना के अन्तर्गत झाला–कोटी मोटर मार्ग जिसकी लम्बाई 01.50 कि0मी0 है कि निर्माण अस्थाई [illegible] निर्माण विभाग, घनसाली द्वारा प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता [illegible] घनसाली के अनुरोध पर उक्त स्थल का निरीक्षण इं0 मो0 आरिफ [illegible] अभियन्ता, सम्बन्धित सहायक अभियन्ता के साथ अद्योहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक [illegible] 09 को किया गया। साथ ही मार्ग के लिए 2 वैकल्पिक संरेखण पर तुलनात्मक अध्ययन किया गया एवं संरखेण नं0–1 मार्ग निर्माण कि निर्माण के [illegible] पाया गया।

2\. स्थिति:-- प्रस्तावित समरेखण जनपद टिहरी गढ़वाल के बूढ़ाकेदार [illegible] मार्ग के कि0मी0–06 के अन्तिम बिंदु पर निर्मित लौह सेतु के पार्श्व से प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तावित संरखेण लगभग 0.400 कि0मी0 लम्बाई में सिविल भूमि से एंव 1.10 कि0मी0 लम्बाई में नाप भूमि से होकर गुजर रहा है। [illegible] हेयरपिन बैन्ड नहीं पड़ रहा है । प्रस्तावित संरेखण में कोटी गाड़ [illegible] आवश्यक है । सम्पूर्ण लम्बाई में कही भी आरक्षित वन भूमि नहीं पड़ रही है।

3\. भूगर्भीय स्थिति:– प्रस्तावित संरेखण मध्य हिमालय के क्षेत्र में विद्यमान [illegible] ग्रेनाइट नाइंज एम्फीवोलाइट नाइसेज के चट्टान दृष्टिगोचर होते हैं। [illegible] क्रिस्टलाइन्स कई संधियों से युक्त हैं तथा इनका वेदरिंग ग्रेड W0-W [illegible] गया, इस समरेखण में पड़ने वाले पहाड़ी ढालों की तीव्रता जैन्टल [illegible] की है। समरेखण में पड़ने वाली पहाड़ों की यूनिएक्सियल कम्प्रेसिव [illegible] 100 MPG आंकी गई (ISRN) तथा संधियों स्पेसिंग 0.50 सेमी0 से [illegible] कंटिन्युटी 10 सेमी0 से 300 सेमी0 मापी गई, उक्त संधियों [illegible] एवं कुछ स्थानों पर खुली हुई है। खुली हुई संधियां करड रांक मैटेरियल [illegible] से भरी हुई है।

4\. सुझाव :– समरेखण क्षेत्र की भूगर्वीय स्थिति, भू–आकृति एवं [illegible] वर्णित तथ्यों का ध्यान में रखते हुए निम्न सुझाव दिये जा रहे हैं। [illegible] मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) मार्ग के निमाण में उपयुक्त ड्रेनेज एरेन्जमेंट्स किए जॉए।

(ख) मिट्टी / रीवर बोर्न मैटेरियल वाले स्थानों पर सुटेवली डिजाइन [illegible] वाल्स का निर्माण किया जाए।

(ग) आवादी एवं विद्यालय क्षेत्र के समीप विस्फोटक सामग्री का प्रयोग न किया जाए।

(घ) राक पर कन्ट्रोल्ड ब्लास्ट किया जाए।

(ड) पर्वतीय क्षेत्रों में बनने वाले मार्गों के लिए निर्धारित मानकों का पालन किया जाए।

(च) अन्य आवश्यक उपाय जो मार्ग निर्माण में आवश्यक हो किए जाएं।

5. निष्कर्ष :– उपरोक्त वर्णित विन्दुओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित समरेखण मार्ग के निर्माण के लिए उपयुक्त पाया गया।

(विजय डंगवाल)
वरिष्ठ भू–वैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर-I
लो0नि0वि0, देहरादून।

Photo copy Attested

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड लोक निर्माण विभाग
घनसाली, टि0 ग0